हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 10 जून 2025

11 राजस्थान की तरह चमार समाज के लोग मेघवाल शब्द .

12 नपा की आम बैठक शांतिपूर्वक संपन्न ...

CBSE बोर्ड, हरियाणा बोर्ड व अन्य किसी भी बोर्ड से फेल विद्यार्थी इसी वर्ष फेल विषयों की परीक्षा देकर साल बचाएं।
10th & 12th (NIOS) ओपन से पास करें।
D.R. GROUP OF INSTITUTIONS
महेन्द्रगढ़ नजदीक सतनाली चौक, नारनौल रोड़, महेन्द्रगढ़ Call us: 8059001617, 8059171616
कोसली बिजली बोर्ड के सामने, कोसली Call us: 9050676072
सभी कोर्स सरकारी यूनिवर्सिटी व बोर्ड से पास करें।
B.A., B.Com., B.Sc., M.A.,M.Sc. M.Com., Yoga Teacher, NTT, B.Ed., JBT, LLB, D. Pharmacy
YOGA TEACHER TRAINING PROGRAMME
CERTIFICATE IN AGRICULTURE AND ANIMAL HUSBANDRY
CERTIFICATE IN COMPUTER APPLICATION
CERTIFICATE IN EARLY CHILDHOOD CARE AND EDUCATION (NTT)
CERTIFICATE IN BEAUTY CULTURE & HAIR CARE
AYRVEDA AND YOGA
DIPLOMA IN RADIOGRAPHY
ELECTRICAL TECHNICIAN
CERTIFICATE IN WELDING
CERTIFICATE IN PANCHKARMA ASS.

MR DEGREE COLLEGE
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

खबर संक्षेप

धीरज ने एएफसीएटी परीक्षा की उत्तीर्ण, ऑल इंडिया में 75वीं रैंक

नारनौल। क्षेत्र के पल्ह गांव के धीरज ने एएफसीएटी की परीक्षा उत्तीर्ण कर ऑल इंडिया में 75वीं रैंक हासिल की है। धीरज अब फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर रहकर देश सेवा करेगा।

धीरज ने यह सफलता दूसरे प्रयास में हासिल की है। इससे पहले धीरज को ऑल इंडिया में 340वीं रैंक मिली थी, जिसकी वजह से मेरिट में स्थान नहीं बना सका था। लेकिन लगातार मेहनत कर धीरज ने दूसरे प्रयास में सफलता हासिल कर परिवार, गांव और जिले का नाम रोशन किया है। धीरज ने बताया कि उसके दादाजी कैलाश शर्मा ने बचपन से ही बेहतर मार्ग दर्शन किया, जिसकी बदौलत आज इस मुकाम पर पहुंच सका।

नारनौल में आज लगेगी बिजली अदालत

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष बिजली अदालत का आयोजन करने जा रहा है। यह अदालत 10 जून (मंगलवार) को सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड नारनौल में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि बिजली अदालत सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक संचालित की जाएगी।

धोबी जोहड़ के पास सुंदर कांठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल की ओर से साप्ताहिक निशुल्क सुंदरकांड पाठ का आयोजन 10 जून रात सीआईए रोड धोबी जोहड़ के पास प्रेमचंद शर्मा लालाराम जांगिड़ के निवास स्थान पर किया जाएगा। मंडल सदस्य तरुण सोनी ने बताया कि सुंदरकांड पाठ की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे। सुंदरकांड पाठ के बाद भजनों को दौर शुरू होगा। बालाजी का गुणगान करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयास हो रहे सफल

उपकरण आए अब ब्लड बैंक की स्थापना शेष

कनीना के 50 बेड के अस्पताल को जल्द मिलेगा एफआरयू का दर्जा

दलीप सिंह ▶▶| कनीना

प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का विधानसभा क्षेत्र कनीना है। इसका फायदा स्वास्थ्य सेवाओं में मिलना स्वभाविक है। अब कनीना के उप नागरिक अस्पताल को अतिशीघ्र ही एफआरयू का दर्जा मिलने जा रहा है। इसके लिए अस्पताल की तीसरी मंजिल पर बनाए गए प्री ओटी तथा ओटी रूम में जरूरी उपकरण सैट कर दिए गए हैं। वेंटिलेटर, विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित ब्लड बैंक बनाए जाने का कार्य लंबित है। जिसके शीघ्र ही पूरा होने की उम्मीद है। अतिआधुनिक उपकरण एंव उनके ऑपरेट की नियुक्ति को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। 50 बैड के इस अस्पताल को अब एफआरयू, फस्ट रैफरल यूनिट का दर्जा कभी भी मिल सकता है।

उपमंडल स्तरीय इस अस्पताल में जरूरी उपकरण तथा विशेषज्ञ न होने के कारण आपातकाल के दौरान मरीजों को रैफर करना पड़ता है। एफआरयू का दर्जा मिलने पर स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ेगी, जिसके चलते चिकित्सको को इमरजेंसी के समय मरीजों को रैफर नहीं करना पड़ेगा। इस अस्पताल में एफआरयू को लेकर क्षेत्र की सामाजिक संस्थाओं द्वारा स्वास्थ्य मंत्री व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन देकर इस अस्पताल को एफआरयू का दर्जा दिए जाने की मांग की गई थी। इस मौके पर चिकित्सक जितेंद्र कुमार मोरवाल, डा. अंकित शर्मा, सतेंद्र यादव उपस्थित थे।

कनीना। ओटी रूम में लगी मशीनों का अवलोकन करती अस्पताल प्रभारी डा. रेनु वर्मा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

मरीजों की जांच के लिए मशीनें उपलब्ध

अस्पताल में उपलब्ध कराई गई मशीनों का संचालन होने के बाद मरीजों की विभिन्न प्रकार की जांच होने के बाद शीघ्र ही रिपोर्ट उपलब्ध हो सकेगी। रिपोर्ट मिलने के बाद चिकित्सकों को उपचार करने में भी आसानी होगी। 50 बैड के उप नागरिक अस्पताल कनीना में इलेक्टो सर्जिकल यूनिट, नारनौल व महेंद्रगढ में सपोरोमीटर सिस्टम, रेडियंट वार्मर, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी सिस्टम मशीन, 35 डिलीवरी टेबल, तीन पार्ट सीबीसी मशीन, फुली ऑटोमैटिक बायोकेम मशीन से स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार होगा। वर्ष 2025 से अस्पतालों में आमूलचुल परिवर्तन दिखाई देगा।

ब्लड बैंक तथा विशेषज्ञों का इंतजार: डा. रेनु वर्मा

इस बारे में एसडीएच कनीना की प्रभारी डा. रेनु वर्मा ने बताया कि एफआरयू में स्त्रीरोग विशेषज्ञ गायनेकोलोजिस्ट, ऑर्थोलोजिस्ट व शिशुरोग विशेषज्ञों के अलावा ब्लड बैंक सहित जरूरी उपकरणों की अहम आवश्यक्ता होती है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में लगभग उपकरण उपलब्ध हो चुके हैं। यहां पर चिकित्सकों के 11 पद है जिनमें से चार पद रिक्त हैं। एफआरयू का दर्जा मिलने के समय यहां पर यूएसजी मशीन के साथ-साथ ऑपरेटर की जरूरत होगी। ब्लड बैंक व चिकित्सा विशेषज्ञों के आते ही इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

नारनौल। शहर के नालों का निरीक्षण करते डीसी डॉ विवेक भारती।

मानसून सीजन से पहले प्रशासन ने शुरू की तैयारियां

डीसी ने नालों का निरीक्षण कर सफाई करवाने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आने वाले मानसून सीजन से पहले जिला प्रशासन ने जल भराव से निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। इसी संबंध में सोमवार उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने शहर के विभिन्न प्रमुख नालों का निरीक्षण किया। डीसी ने बताया कि सरकार तथा जिला प्रशासन का लक्ष्य है की बारिश के सीजन से पहले ही सभी नालों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त हो। संबंधित विभागों को इस संबंध में सख्त हिदायत दी गई है कि अधिकारी मौके पर रहकर नालों की सफाई करवाएं। उन्होंने कहा कि अगर कहीं भी अधिकारियों की कमी के कारण जल भराव होगा तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इस मामले में सरकार के सख्त निर्देश हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की योजनाबद्ध तरीके से सभी छोटे तथा बड़े नालों की सफाई करवाई जाए ताकि आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो। डीसी ने सबसे पहले कोर्ट के नजदीक से नूनी शेखपुरा को जाने वाले नाले का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने निजामपुर रोड से छोटा-बड़ा तालाब के आगे से बने नाले का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को सफाई करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने शहर के मुख्य नाले छलक नाले का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द इन सभी नालों की सफाई करवाई जाए।

मारपीट करने के आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं करने पर की एसपी से मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गत 18 मई की रात को घर में घुसकर झगड़ा एवं मारपीट करने के मामले में पुलिस ने अब तक किसी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं है, जबकि वे राजीनामा करने का दबाव बना रहे हैं और धमकी भी दे रहे हैं। इसके विरोध में पीड़ित ने सोमवार को एसपी पूजा वशिष्ठ से उनके लघु सचिवालय स्थित कार्यालय जाकर उनसे मुलाकात की तथा आपबीती बताते हुए उनसे आरोपितों को तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार करने की मांग की। पीड़ित अतुल कुमार वासी त्रिकोलिया, जिला लखीमपुर उत्तर प्रदेश हाल आबाद किराएदार सुबेसिंह यादव मेहता चौक नारनौल ने बताया कि वह हलवाईयों के साथ काम पर जाता है तथा मेहनत-मजदूरी करता है। उन्होंने बताया कि गत 18 मई की रात को करीब 12 बजे कुद लोग उसके घर पर आए तथा उससे बीड़ी-सिगरेट मांगी। उसके पास बीड़ी-सिगरेट नहीं थी। इसलिए मना कर दिया और माचिस मांगने पर उनको माचिस दे दी। तब उनसे रात को वहां से चले जाने का कहा, लेकिन उन्होंने कमरे के दरवाजे को लात मारी तथा अंदर प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन उसके मना करने पर तब तो वे चले गए, लेकिन उसके कुछ देर बाद रात करीब ढाई बजे वह 3-4 लोग फिर से उसके किराये वाले घर पर आए तथा उससे मारपीट की तथा उसका हाथ भी तोड़ दिया और सिर फोड़ दिया। उसके सिर में टांके भी लगे हैं। उन्होंने गाली-गलौच करते हुए धमकी दी कि वे उसे छोड़ेंगे नहीं।

नारनौल। लघु सचिवालय पहुंचा पीड़ित एवं उसके साथी। फोटो : हरिभूमि

कॉलेजों में दाखिले के लिए 19 जून तक का समय, कॉलेजों में सीट से कम आए थे आवेदन

स्नातक में आवेदन की अंतिम तिथि में बदलाव, अब 16 तक कर सकेंगे आवेदन

दोनों कॉलेजों में 2360 सीट पर आए है 1175 आवेदन 1185 सीट अभी भी खाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

उच्चतर शिक्षा विभाग ने स्नातक में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को आवेदन करने का एक ओर अवसर दिया है। विभाग की ओर से अंतिम तिथि को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है। दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब 16 जून तक आनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

बता दें कि गत माह उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से स्नातक कोर्स के दाखिले का शेड्यूल जारी किया गया था। विभाग की ओर से कॉलेजों 14 से 17 मई तक पोर्टल पर डाटा अपलोड़ करने का समय दिया गया था। वहीं विद्यार्थियों को नौ जून तक आनलाइन आवेदन करने का समय दिया गया था। विभाग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार 10 जून तक विद्यार्थी आवेदन किए गए फार्म में एडिटिंग कर सकते थे। 15 जून तक महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के आवेदनों की आनलाइन वेरिफिकेशन, पहली प्रोविजनल सूची 18 जून को व पहली फाइनल सूची 19 जून लगनी थी, लेकिन कॉलेजों में उम्मीद के मुताबिक कम आवेदन आए थे। ऐसे विभाग की ओर से दाखिले की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। सूत्रों की मानें तो इस सप्ताह नीट की परीक्षा का परिणाम जारी हो सकता है।

करीब 50 प्रतिशत सीटें रह गई खाली

राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ में 1260 सीट पर 460 आवेदन आए है। इनमें से 373 आवेदन की जांच हो चुकी है। जबकि 87 आवेदन पत्रों की जांच होनी बाकी है। कॉलेज में अभी भी 800 सीटें खाली है। राजकीय महिला महाविद्यालय में 1080 सीट पर 715 आवेदन आए है। इनमें से 315 छात्राओं ने कॉलेज को पहली पंसद चुना है। कॉलेज प्रबंधन ने 326 आवेदन पत्रों की जांच पूरी कर ली है। 15 आवेदन पत्रों की जांच बाकी है।

राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़

कोर्स	सीट	आवेदन
बीए	600	251
बीकॉम	80	34
बीसीए	40	43
लाइफ साइंस	160	30
फिजिकल साइंस	400	102
कुल	1280	460

राजकीय महिला महाविद्यालय महेंद्रगढ़

कोर्स	सीट	आवेदन
बीए	720	401
अंग्रेजी आनर्स	40	13
बीकॉम	160	50
लाइफ साइंस	80	150
फिजिकल साइंस	80	122
कुल	1080	715

पौधरोपण एक पेड़ मां के नाम 2.0 व अरावली हरित दीवार को लेकर डीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

डीसी के निर्देश, सभी विभाग डिमांड भेजें, जल शक्ति अभियान के तहत भी लगेंगे पौधे

जिलेभर में 7.40 लाख पौधे वितरित होंगे, 4.89 लाख पौधे विभिन्न विभागों के माध्यम से लगेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला प्रशासन को इस क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। मानसून शुरू होते ही सभी विभाग वन विभाग की निर्धारित नर्सरी से पौधे प्राप्त करके राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम 2.0 तथा अरावली हरित दीवार के तत्वावधान में सघन पौधारोपण अभियान चलाएंगे। ये निर्देश सोमवार उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक में दिए। इससे पहले हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने राज्य के सभी उपायुक्तों के साथ इस संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। उपायुक्त ने बताया कि इस बार वन विभाग 7.40 लाख पौधे वितरित करेगा। इनमें 2.51 लाख आमजन को तथा शेष 4.89 लाख पौधे विभिन्न विभागों को दिए जाएंगे। इनमें स्कूली बच्चे पौधगिरी के माध्यम से 51 हजार पौधे लगाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सबसे पहले अपने विभाग की खाली पड़ी जमीन को चिन्हित करें। ग्रामीण क्षेत्रों में अमृत सरोवरों पर भी पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान योजनाबद्ध तरीके से जिला प्लान बनाकर चलाया जाएगा। इस अभियान के दौरान इको क्लब का गठन किया जाएगा। यह क्लब मिशन लाइफ पोर्टल पर फोटो अपलोड करेगा। इसी प्रकार सभी डिपार्टमेंट मेरी लाइफ पोर्टल पर अपनी गतिविधियों का फोटो अपलोड करेंगे। इसके अलावा विभिन्न विभागों के इस कार्य से संबंधित पोर्टल पर भी यह गतिविधियां अपलोड की जाएंगी। उन्होंने कहा कि जो भी पौधे लगाएं उनकी पूरे साल देखभाल भी करें। एसडीएम महेंद्रगढ़ अनिल यादव, एसडीएम नांगल चौधरी मनोज कुमार, एसडीएम नारनौल रमित यादव, डीएसपी सुरेश कुमार, नगराधीश मंजीत कुमार, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल, जिला शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार आरएफओ रजनीश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान को लेकर अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डॉ विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

सात नर्सरियों में मिलेंगे पौधे

उपायुक्त ने बताया कि सभी विभाग तथा ग्राम पंचायत वन विभाग की सात नर्सरीयों से पौधे प्राप्त करेंगे। यह पौधे कृष्णावती नदी, सीहमा, लहरोदा, भुंगारका, वन विभाग मुख्यालय महेंद्रगढ़, झगड़ोली तथा नांगल माला से प्राप्त किए जा सकते हैं।

पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, 1 की मौत 3 घायल

मंडी अटेली। अटेली कनीना रोड पर गोमला बस स्टैंड के समीप बाइक को एक पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी। इस टक्कर में एक लड़की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार राजपुरा निवासी सुरेश चन्द ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि आठ जून रविवार को सायं पांच बजे वह उसके घर पर था। उसे सूचना मिली कि उसका लड़का लड़का लेखराज उसकी बहन रश्मी, प्रणव, गरिमा यशिका को श्याम नगर से लेकर राजपुरा आ रहा था। अटेली कनीना रोड पर गोमला बस स्टैंड से समीप 300 मीटर अटेली की तरफ पहुंचा तब सामने से एक पिकअप गाड़ी चालक अपनी गाड़ी तेज गति से लापरवाही तरीके से उसके लड़के की मोटरसाइकिल मे सीधे टक्कर मार दी। इस जोरदार टक्कर से बाइक पर सवार सभी नीचे गिर गए। जिससे उन सभी को चोट आ गई। पिकअप गाड़ी चालक मौके से तुरंत फरार हो गया। वहां उपस्थित रहागीरों ने सभी घायलों को नारनौल के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया गया। चोट ज्यादा लगने के चलते उनको रेवाड़ी के एक नीजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। ईलाज के दौरान गरिमा की मृत्यु हो गई। अटेली पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि

सहेली

रोहतक, मंगलवार
10 जून 2025

10

फादर्स-डे, 15 जून स्पेशल

नए दौर के केयरिंग-लविंग पापा

वह दौर गया जब परिवार में पिता की बहुत सख्त छवि हुआ करती थी। बच्चों की परवरिश पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देते थे, यह जिम्मेदारी मां की होती थी। आज के पापा अपने बच्चों की जिम्मेदारी बहुत खूबसूरती ने निभा रहे हैं। वे अपनी पारंपरिक छवि से बाहर आकर एक संवेदनशील गाइड के रूप में दिख रहे हैं। आज के पापा अपने बच्चों की भावनात्मक जरूरतों को समझते हैं। आज के केयरिंग पापा, बच्चों के करियर के प्रति भी कॉन्शस हैं। वह उनके सर्वांगीण विकास में अपना अहम योगदान दे रहे हैं।

कवर स्टोरी
नयनतारा

आज के समय में पिता की पारंपरिक भूमिकाएं कुछ दशकों पहले के मुकाबले बहुत बदल गई हैं। आज के पिता अपने बच्चों के केवल पालक या उन्हें अनुशासन में रखने वाले भर नहीं, अपने बच्चों के जीवन में भावनात्मक, बौद्धिक और सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाने वाले और मजबूत बनाने वाले मेंटर हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज के पिता अपने बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा ही नहीं कर रहे, उनका व्यक्तित्व निर्माण भी कर रहे हैं।

पारंपरिक जिम्मेदारियों से बहुत आगे : कुछ दशक पहले तक जहां पिता का काम मुख्य रूप से परिवार का पालन-पोषण और उसे आर्थिक रूप से सुरक्षित करना होता था, वह काम तो आज भी पिता के जिम्मे है, लेकिन अब उनकी भूमिकाएं इस पारंपरिक जिम्मेदारी से काफी हद तक आगे बढ़ चुकी हैं। आज के पापा अपने बच्चों के स्कूल प्रोजेक्ट में हेल्प करते हैं, उनकी पढ़ाई-लिखाई का ध्यान रखते हैं, इस पर अपना जरूरी दखल देते हैं, पैरेंट्स टीचर मीटिंग में शामिल होते हैं, बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य से लेकर उनके मानसिक स्वास्थ्य तक की परवाह करते हैं।

एक संवेदनशील गाइड का रोल: आज के पापा अपने बच्चों के पालन-पोषण के साथ उनके सर्वांगीण विकास में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। इस वर्ष 15 जून को मनाए जाने वाले फादर्स-डे की इस साल थीम भी कमोबेश यही है। इस साल की थीम, 'फादर्सः नर्चरिंग रिलेशन एंड टैपिंग फ्यूचर' यानी बच्चों का लचीलेपन के साथ पोषण करते हुए उनके भविष्य को आकार देना है। अगर कहा जाए कि इस थीम को भारत के

महानगरों में ही नहीं बल्कि छोटे और मझोले शहरों में भी पहले से ही, आज के पापाओं ने अपना लिया है, तो इसमें कोई दो राय नहीं होगी। मसलन, आज के पिता पारंपरिक पिताओं की तरह घर में अनुशासन सिखाने वाले वट वृक्ष नहीं हैं, उनकी भूमिका एक संवेदनशील गाइड के रूप में उभर रही है। जबकि कुछ दशक पहले तक हमारे पारंपरिक पिता कठोर अनुशासन के प्रतीक हुआ करते थे। आज के पापा अपने बच्चों की भावनाओं को सुनते हैं, उनसे खुले रूप में संवाद करते हैं और उनकी पसंद-नापसंद पर ध्यान देते हैं। इन सबके साथ ही आज के पापा बच्चों की भौतिक के साथ-साथ भावनात्मक जरूरतों को भी समझते हैं।

घरेलू कामों में सक्रिय भागीदारी

बीते दौर में पिता अपनी भूमिकाओं को घर के बाहर के कामों तक ही सीमित रखते थे, जबकि आज के पिता घरेलू कामों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे खाना बना रहे हैं, बच्चों को मांओं की तरह लिखा-पढ़ा रहे हैं, उन्हें स्कूल जाने के लिए तैयार कर रहे हैं, कई बार स्कूल छोड़ने और लाने भी जाते हैं। आज के पापा ये काम हंसी-खुशी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, आज के दौर के पापा घर के किसी विशेष आयोजन में साफ-सफाई से लेकर किचन तक की भूमिकाओं में सहयोग करने को तत्पर रहते हैं। अब पापा पहले जैसे घर के बाहर ही काम करने वाले नहीं रहे।

बच्चों के करियर के प्रति कॉन्शसः आज के पापा बच्चों के करियर पर भी ध्यान देते हैं, उनकी पसंद-नापसंद यानी उनकी हॉबी को विकसित करने में, उनमें उसे विशेष पारंगत बनाने में भी जो संभव भूमिका होती है, उसे निभाते हैं। यही नहीं वे बच्चों की आत्मनिर्भरता को गंभीरता से लेते हैं। पहले के पिता बच्चों पर अकसर अपने सपने थोप देते थे, जबकि आज के पिता अपने बच्चों के सपनों को महत्व देते हैं। अगर उनके बच्चे पारंपरिक करियर से हटकर किसी ऐसे करियर में रुचि दर्शाते हैं, जो अभी तक बहुत सफल और स्पष्ट नहीं, तो आज के पिता उनके इस जोखिम पर भी साथ खड़े होने की हिम्मत दिखाते हैं।

नई तकनीक सीखने में कोई हिचक नहीं: आज के पापा अब डिजिटल दुनिया में बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की कोशिश करते हैं। जबकि कुछ दशक पहले तक बच्चे और उनके पिता तकनीक के मामले में अलग-अलग दौर में जीते थे। कुछ दशक पहले तक पिता बड़ी आसानी से यह बात स्वीकार कर लेते थे कि नए जमाने की तकनीक से उनका क्या लेना-देना है? यह बच्चों की जरूरत है, उन्हें ही इसकी जानकारी रखनी चाहिए। जबकि आज के पापा न सिर्फ नए जमाने की तकनीक पर दिलचस्पी लेते हैं बल्कि वे इस पर दक्षता भी हासिल करते हैं ताकि अपने बच्चों को भी इसमें दक्ष बना सकें या उनके साथ उनके स्तर पर बर्ताव कर सकें। यही कारण है कि सोशल मीडिया, गेम्स और इंटरनेट से जुड़ी आज की अभिरुचियां बच्चों और उनके पापाओं में किसी हद तक साझी हो चली हैं। आज के पापा अपने बच्चों को रिस्पॉन्सिबल डिजिटल सिटीजन बनने में उनको अपनी गाइडेंस देते हैं।

को-पैरेंटिंग में यकीनः आज के पिता पालन-पोषण को सिर्फ बच्चों की मांओं की जिम्मेदारी नहीं समझते बल्कि को-पैरेंटिंग के विचार पर यकीन रखते हैं। इसलिए आज माता-पिता दोनों मिलकर बच्चों की जिम्मेदारी उठाते हैं। यही कारण है कि पिता अब समान रूप से एक जिम्मेदार अभिभावक बन चुके हैं। विशेष रूप से सिंगल फादर या स्टे एट होम डैड की संज्ञा दिनों दिन बढ़ रही है। इसलिए माना जाता है कि भारत में पिता की भूमिकाएं कुछ दशक पहले तक के पिता की भूमिकाओं से काफी हद तक बदल गई हैं।

पापा और बच्चे दोनों जाहिर कर रहे हैं अपनी फीलिंग्सः भारत में पिताओं के स्वभाव और उनकी इस सोच में परिवर्तन लाने में किसी हद तक फादर्स-डे की भी अपनी भूमिका है। हालांकि पश्चिम की तरह भारत में फादर्स-डे कोई त्योहार नहीं है, लेकिन यह मानने में कतई गुरेज नहीं करना चाहिए कि आज के शहरी भारत में फादर्स-डे जैसे स्पेशल डे की अपनी एक संवेदनशीलता है। यही वजह है कि हमारी पारंपरिक संस्कृति में फादर्स-डे न होते हुए भी आज के भारत में यह बड़ी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। बच्चे आजकल फदर्स-डे का बड़े उत्साह के साथ इंतजार करते हैं। हमारे देश के बच्चे भी पश्चिमी देशों के बच्चों की तरह अपने पापाओं को इस दिन कार्ड देते हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से संदेश देते हैं, शुभकामनाएं देते हैं और पापाओं के प्रति अपने प्रेम-स्नेह को प्रकट करते हैं। जबकि पहले हमारे यहां का चलन यह था कि न तो पिता, इस बात को जाहिर होने देते थे कि वे अपने बच्चों को बहुत प्यार करते हैं और न ही बच्चे सार्वजनिक रूप से यह दिखाते थे कि वे अपने पिता का बहुत आदर-सम्मान करते हैं।

फादर्स-डे की उपयोगिताः पिछले एक-दो दशक में सिर्फ शहरी भारत की लाइफस्टाइल ही तेजी से नहीं बदली, बल्कि समग्रता में बहुत-सी नई और अनुकरणीय पश्चिमी बातों को भी हमारा शहरी समाज खुले दिल से स्वीकार कर रहा है। यही कारण है कि अब फादर्स-डे एक सम्माननीय दिन बन चुका है और यह हमारे बच्चों के समग्र विकास के लिए बहुत लाभकारी भी साबित हुआ है।

बहुत अनमोल होता है, पिता-बेटी का रिश्ता। जहां बेटी के लिए पिता शीतल छाया, उसके जीने की राह होते हैं, वहीं लाडली बेटियां भी अपने पिता की मुस्कान, अभिमान होती हैं। पिता के लिए बेटियां ईश्वर की सबसे बड़ी नियामत, उनके जीवन की सुगंध होती हैं। पिता-बेटी के प्यारे-सलोने रिश्ते को रेखांकित करता आलेख।

बहुत प्यारा-न्यारा होता है पिता-बेटी का रिश्ता

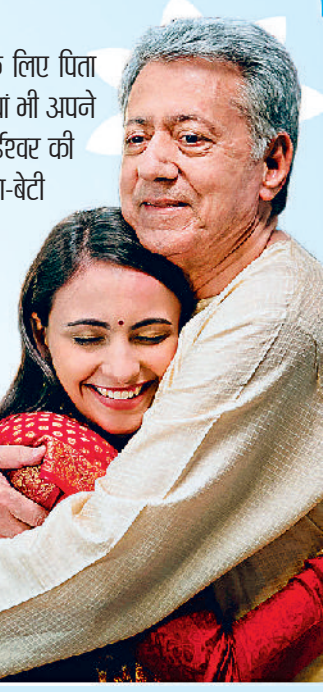

मीने-मीठे एहसास
श्रुति आयंगर

बहुत प्यारा, बहुत न्यारा होता है पिता-बेटी का रिश्ता, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, बस एहसास किया जा सकता है। जब पहली बार नन्ही-सी परी अपने पिता की गोद में आती है, तो एक नासमझ-सा युवा अचानक बहुत समझदार-जिम्मेदार हो जाता है। जब वह अपनी नन्ही बिटिया को गोद में लेता है तो उसे इस बात का बोध होता है, जिंदगी के हर मोड़ पर उसे अपनी गुड़िया के साथ खड़े रहना है, साथ निभाना है। उसकी हर खुशी का ख्याल रखना है। हर लड़की अपने पापा की प्यारी-प्रिंसेस होती है। पिता-बेटी के अनमोल रिश्तों के एक नहीं कई पहलू हैं।

बहुत अलग है केमिस्ट्री-बॉन्डिंगः पिता-बेटी के बीच ऐसी खूबसूरत केमिस्ट्री-बॉन्डिंग होती है, जिसे और कोई नहीं समझ सकता है, बस वे दोनों ही समझ सकते हैं। एक बेटी अपने पिता की बात जितनी जल्दी जान पाती है, उतना दूसरा कोई नहीं। तभी तो सब कहते हैं कि पापा के दिल के सबसे करीब होती है उनकी प्यारी बिटिया। हर लड़की अपने पिता की छत्रछाया में खुद को सुरक्षित महसूस करती है।

पापा हैं सुपरमैनः हर बेटी की नजरों में उसके पापा किसी सुपरमैन से कम नहीं होते। उनके पास हर मुश्किल का जादुई हल होते हैं। चाहे वो टूटे खिलौने को जोड़ना हो या फिर बिटिया का बिगड़ा मूड ठीक करना हो या मम्मा की डांट से बचाना हो या मम्मी से छुपाकर बेटी को अपनी फेवरेट चॉकलेट, आइसक्रीम खाना हो, पापा इन सभी कामों को मजे से अंजाम देते हैं। पापा ऑफिस के तनाव में भी अपनी गुड़िया की बातें सुनते हैं, उसकी हर शरारत में उसके साथी बन जाते हैं। अपनी बेटी की मुस्कान उनके लिए सबसे बड़ी नियामत होती है। बेटी के लिए पापा सब कुछ करने को तैयार रहते हैं। उसकी हर एक फरमाइश को पूरा करते हैं। यही तो होता है-रियल सुपरमैन। जब नन्ही बिटिया के गिरने पर उसे चोट लगती है, तो वह यही सोचती है, 'डोंट वरी, पापा हैं ना, फूंक मार देंगे, तो सब ठीक हो जाएगा।' और वाकई पापा के ऐसा करने पर बिटिया अपनी चोट भूल जाती है, दर्द उड़न-छू हो जाता है।

बेस्ट फ्रेंड होते हैं पापाः बेटी जब धीरे-धीरे बड़ी होती है, पापा उसके लिए सिर्फ पिता नहीं होते, बेस्ट फ्रेंड हो जाते हैं। जब तब आराम से बैठकर घंटों बातें करते हैं, स्कूल-कॉलेज के किस्से सुनते हैं। अपने डर और सपने बताना है या या कोई खुशी या दुख जाहिर करना है, ये सब बातें बेटियां बेझिझक अपने पापा से ही शेयर करती हैं। उनका सच्चा बेस्ट फ्रेंड अगर कोई है तो वो पापा ही होते हैं। वे ऐसे फ्रेंड होते हैं, जो ना जज करते हैं, ना नाराज होते हैं, ना कभी धोखा देते हैं। पापा अपनी बेटी के मन की बातें बिना कहे की समझ जाते हैं।

प्रेरणास्रोत हैं पापाः बचपन में जब बेटी चलना सीखती है, तो पापा उसकी अंगुली थामे रहते हैं, चलना सिखाते हैं। फिर पूरी जिंदगी यही अंगुली राह दिखाती है- कभी सलाह बनकर तो कभी हौसला बढ़ाकर। बेटी के लिए पापा सिर्फ एक अभिभावक नहीं होते, उसके सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत होते हैं, जो उसे कभी हार नहीं मानने देते हैं। अपनी लाडली की सबसे बड़ी ताकत बन जाते हैं पापा।

सच्चा और अटूट रिश्ता

पिता-बेटी का रिश्ता वक्त के साथ कभी बदलता नहीं है, पिता-बेटी का रिश्ता शब्दों का भी मोहताज नहीं होता है। बचपन में बेटी की पहली मुस्कान से लेकर उसके हर सपने तक, विदाई तक, पापा हर मोड़ पर उसके साथ रहते हैं। वक्त गुजरता है, बेटी बड़ी हो जाती है, जिम्मेदारियां बदल जाती हैं- पर पिता का प्यार उसकी परवाह और उसका रिश्ता वैसा का वैसा रहता है, हमेशा एक जैसा, सच्चा और अटूट।

बॉन्डिंग
अलका 'सोनी'

मां के प्यार को तो अकसर शब्द, स्पर्श और आंसुओं में ढूंढ़ लिया जाता है, लेकिन पिता का प्यार, अकसर मौन होता है, गहरा होता है और छुपा होता है। वह प्यार जो न लोरी बनता है, न गले लगकर बहता है, लेकिन अपनी संतान की हर छोटी-बड़ी जरूरत को पूरा करने के लिए हमेशा उपस्थित होता है। सच, हम सबके पापा ऐसे ही होते हैं, जो जताते नहीं, फिर भी सबसे अधिक प्यार करते हैं।

मां का प्यार तो खिली धूप जैसा प्रकट दिखता है, महसूस होता है, जबकि पिता का प्यार शीतल छाया की तरह हमेशा पास होकर भी अदृश्य रहता है। लेकिन कठिन समय में वही छाया संतान के लिए सुरक्षा कवच बन जाती है।

प्यार तो करते हैं पर जताते नहीं पापा

प्रतीकों में प्रकट होता प्यार

पिता अपनी भावनाओं को शब्दों से नहीं, प्रायः प्रतीकों में और मौन गतिविधियों से व्यक्त करते हैं। सर्दी की ठिठुरती रात में वे आधी रात को अकसर उठकर चुपचाप आपको कंबल ठीक से ओढ़ा जाते हैं। आपके बीमार होने पर जब तक आपको नींद नहीं आ जाती बेचैनी से चहलकदमी करते रहते हैं या आपके सिरहाने बैठ जाते हैं। आपके कॉलेज ट्रिप पर जाने की सूचना मिलने पर आपसे डायरेक्ट नहीं लेकिन मां के जरिए आपको कुछ एक्सट्रा पैसे दिलवाते हैं

कि उनकी बिटिया को सफर में कोई परेशानी न हो। ऐसा वो और बहुत कुछ करते रहे हैं और जब भी मौका मिलता है, आज भी करते हैं।

याद करें वो लम्हे

अगर याद करें तो अतीत में बिताए ऐसे कई लम्हे याद आ जाएंगे, जब पिता हमारे आस-पास रहकर चुपचाप हमारी केयर करते थे। जब आप पहली बार साइकिल चलाना सीखने की कोशिश में बार-बार गिर रही थीं, तब पापा ने ही साइकिल को पीछे से पकड़कर आपको संतुलित होना सिखाया था। लेकिन कभी जताया नहीं कि वह इस बात को लेकर कितना चिंतित रहते थे कि कहीं गिरकर आपको चोट न लग जाए। या स्कूल का वो पहला दिन, जब मां ने तो आंखें पोंछकर आपको विदा किया था लेकिन पापा स्कूल के गेट के पीछे से आपको तब तक देखते रहे थे, जब तक आप क्लासरूम में नहीं चली गई थीं। यह भी याद आएगा आपको कि जब किसी प्रतियोगिता में आप हारकर निराश हो गई थीं, तब पापा ने पीठ थपथपा कर कहा था, 'बेटा, कोशिश करना मत छोड़ना। तुम जरूर जीतोगी।' आपका तो हौसला बढ़ा दिया लेकिन आपकी निराशा को अपने भीतर लेकर कई दिन अनमने से बिताए थे।

जिम्मेदारियों तले दबा स्नेह

कई बार शांत दिखते समंदर के भीतर लहरों की हलचल भरी रहती है। ठीक उसी तरह ऊपर से चुप्पी साधे पिता के मन में भी हमारे लिए आगाध चिंता और प्यार छिपा होता है। जरूरत होती है बस, उस भाषा को समझने की। वास्तव में पिता की बेशुमार जिम्मेदारियां ही होती हैं, जो उनको बाहरी रूप से कठोर बना देती हैं। वे हमारी चिंता करते हैं, भविष्य बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने की सोचते हैं, लेकिन बिना किसी को प्रकट किए। ऐसा इसलिए कि शायद उन्हें लगता है कि उनका भावुक होना, उनके बच्चे को कमजोर कर देगा। वास्तव में उन्हें एहसास होता है कि उनकी छाया में उनके बच्चे हर तपिश से सुरक्षित हैं। इसीलिए वे अपने हर त्याग को हंसते हुए छुपा लेते हैं। सच, पिता बनने के बाद उनका जीवन अपनी संतान को ही समर्पित हो जाता है।

डाइट सजेशन
ललिता गोयल

अपनाएं सही डाइट प्लान बढ़ती एज में पापा रहेंगे हेल्दी

हर बेटी चाहती है कि उसके पिता का साया उसके सिर पर हमेशा बना रहे, उसके पिता हमेशा हेल्दी और फिट रहें। लेकिन बढ़ती उम्र के साथ हेल्दी और फिट रहने के लिए अन्य बातों के अलावा जरूरत होती है सही डाइट प्लान फॉलो करने की।

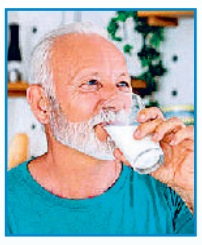

लो फैट फूड्सः उम्र बढ़ने के साथ पाचन क्रिया धीमी पड़ने लगती है। ऐसे में शरीर को फैट पचाने में कठिनाई होने लगती है। साथ ही हाई फैट वाली चीजों को खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और दिल की बीमारियों का रिस्क भी बढ़ता है। इसके अलावा इससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए बेटियां ध्यान रखें कि उम्र बढ़ने के साथ उनके पिता लो फैट वाले फूड्स का ही सेवन करें।

प्रोटीन है जरूरीः डाइट में प्रोटीन का होना बेहद जरूरी होता है। दरअसल, 50 से 60 की उम्र के बीच मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। इसी वजह से हाथ-पैर में दर्द, हड्डियों से जुड़ी बीमारियां होने लगती हैं। इसलिए इन तमाम परेशानियों से बचे रहने के लिए डाइट में प्रोटीन से भरपूर फूड्स जैसे सोया मिल्क, टोफू, दूध, दही, पनीर और कुछ ड्राई फ्रूट्स शामिल करने चाहिए। आपकी पहली प्राथमिकता प्लांट बेस्ड प्रोटीन की होनी चाहिए, इसके अलावा मीट, चिकन, अंडे, फिश और सूखे मेवे का सेवन भी करवाया जा सकता है।

ओमेगा 3 फैटी एसिडः अपने पापा को ब्रोकली, कैबेज, हरी पत्तेदार सब्जियां, अखरोट, स्प्राउट्स, ग्रीन टी, बेरीज आदि का सेवन जरूर कराना चाहिए। इन सभी में ओमेगा 3 फैटी एसिड भी होता है, जो दिल की बीमारियों और कैंसर से बचाव करने में भी मदद करता है। ओमेगा 3 फैटी एसिड के सेवन से आंखें स्वस्थ रहती हैं। साथ ही यह अल्जाइमर यानी कि भूलने की बीमारी, इनसोमनिया (नींद ना आना), चिंता और अवसाद जैसे कई मानसिक रोगों से भी बचाता है।

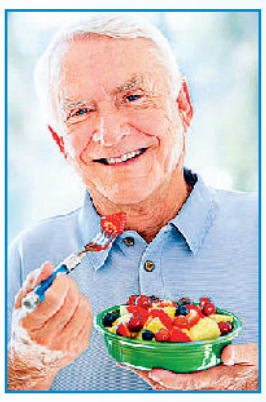

फाइबर है जरूरीः बढ़ती उम्र में आपको अपने पापा की डाइट में ऐसी सब्जी और फलों को शामिल करना होगा, जिनमें प्रचुर मात्रा में फाइबर मौजूद हो। फाइबर के जरिए ही कोलेस्ट्रॉल लेवल और ब्लड प्रेशर को संतुलित रखा जा सकता है।

विटामिन और कैल्शियमः बढ़ती उम्र के लोगों में हड्डियों को हेल्दी रखने के लिए कैल्शियम, और विटामिन डी की आवश्यकता होती है। कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों जैसे दूध, हरी पत्तेदार सब्जियां, मछली आदि का सेवन पापा को करवाएं। विटामिन डी के स्रोतों में फैटी मछली, जैसे सैल्मन और अंडे आदि का सेवन करने को कहें।

(डाइटिशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

केयर
रजनी अरोड़ा

एकाकी पिता को दें अपने प्यार-स्नेह का संबल

याद कीजिए, बचपन या किशोरावस्था में जब कभी आप किसी बात पर रूठ जाती थीं तो पापा ही सबसे पहले मनाने आते थे। आपको कभी अकेले या गुमसुम नहीं रहने देते थे। तो अब वृद्धावस्था में अगर वे अपने आपको एकाकी महसूस करते हैं तो आपको उन्हें अपने प्यार-स्नेह का संबल जरूर देना चाहिए।

एक मजबूत और जिम्मेदार इंसान के तौर पर जिंदगी के हर मोड़ पर बच्चों की अच्छी परवरिश और कामयाब इंसान बनाने के लिए पिता सशक्त स्तंभ की भूमिका निभाते हैं। लेकिन ढलती उम्र में एक ओर जहां वे रिटायरमेंट के बाद खालीपन के फेज से गुजर रहे होते हैं, तो इसके साथ ही बच्चों के उच्च शिक्षा या करियर के लिए देश-विदेश बस जाने या फिर जीवनसंगिनी के साथ छोड़ जाने का दर्द भी उन्हें झेलना पड़ता है। ऐसे में कई बार एकाकी जीवन जीने को मजबूर हो जाते हैं।

एकाकीपन के कारणः सेवानिवृत्ति के बाद बढ़ती उम्र में एकाकीपन के कई कारण हो सकते हैं। पार्टनर के साथ छोड़ जाने का दुख, गतिशीलता में कमी और कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ब्रेन की फ्लेक्सिबिलिटी यानी न्यूरोप्लास्टिसिटी कम हो जाती है, जिससे डिमेंशिया, अल्जाइमर जैसी समस्याएं होने लगती हैं। सामाजिक सहभागिता कम होने और भावनात्मक अभिव्यक्ति न कर पाने की वजह से वो निराशा या कई तरह के मनोविकारों से घिर जाते हैं और खुद को अकेलेपन में समेट लेते हैं।

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक अब्राहम मास्लो की नीड थ्योरी के अनुसार, इंसान को सिर्फ मूलभूत शारीरिक जरूरतें ही नहीं, बल्कि इमोशनल सिक्योरिटी, आत्मसम्मान और संबंधों में आत्मीयता, सहभागिता की भी जरूरत होती है। अकेले रह रहे पिता इन जरूरतों को और गहराई से महसूस करने लगते हैं। जब ये जरूरतें पूरी नहीं होतीं, यानी बच्चे उनके साथ संपर्क बनाकर नहीं रखते, तो मेंटल हेल्थ प्रभावित होती है।

बेटी से होता है ज्यादा जुड़ावः वैज्ञानिक मानते हैं कि बेटियां अपने पिता के साथ भावनात्मक रूप से अधिक जुड़ी होती हैं। एमोरी यूनिवर्सिटी, अमेरिका की एक रिसर्च के अनुसार बेटियां भावनात्मक रूप से ज्यादा संवेदनशील और केयरिंग होती है। बेटियां पिता की भावनाओं, मूड और व्यवहार को बेहतर समझती हैं। उनकी बातों को इत्मीनान से सुनकर रिस्पोंड करती हैं और इमोशनल बॉन्डिंग बना लेती हैं। पिता भावनात्मक सुरक्षा और अपनापन मिलने की वजह से बेटों की तुलना में बेटियों से ज्यादा जुड़ते हैं, अधिक सहज महसूस करते हैं। बेटियों के चेहरे के हाव-भाव और आवाज के उतार-चढ़ाव को बेहतर तरीके से समझते हैं और अधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। ऐसे में बेटियों को चाहिए कि वे अपने पिता को भरपूर समय और स्नेह दें। इससे पिता का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। दरअसल, हम सभी का एक इमोशनल कंफर्ट जोन होता है और वो जिंदगी की हर स्टेज में महत्वपूर्ण रोल निभाता है। बेटी और पिता में यह बहुत मजबूत संबंध होता है, जो उम्र बढ़ने के साथ बढ़ता रहता है। बस जरूरी है, बेटी को हर स्थिति में अपने पिता से जुड़े रहना। बेटी चाहे दूर हो या पास, पिता का ख्याल रखने, उनकी जरूरतों को पूरा करने का भरसक प्रयत्न करते रहना चाहिए।

हॉबी से जोड़ें: पापा के अकेलेपन को दूर करने के लिए गौर करें कि अगर पिता को गार्डनिंग, पेंटिंग, रीडिंग का शौक है तो आपको उन्हें अपनी हॉबी को पूरा करने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए। इसके लिए उन्हें उनकी रुचि की नई किताबें भेंट दे सकती हैं ताकि वे बोरियत महसूस न करें। या फिर किसी खास दिन पर पिता को सरप्राइजिंग गिफ्ट भी दे सकती हैं। निश्चय ही इससे उन्हें असीम खुशी का एहसास होगा।

(ब्रिटिश यूनि. बहरीन में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

पर्यावरण को संतुलित के लिए पौधरोपण जरूरी

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी के मार्गदर्शन में सोमवार गांव रघुनाथपुरा के मंदिर में पौधारोपण किया। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता रमेश कुमार ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि अब बरसात का मौसम शुरू होने वाला है। आने वाले बरसात के मौसम में हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधारोपण जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। पेड़ न केवल हमें ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके वातावरण को शुद्ध करते हैं।

इंद्रलाल बने सनातन धर्म उत्थान समिति के प्रभारी

कनीना। उपमंडल के गांव पाथेडा निवासी इंद्रलाल शर्मा को को सनातन धर्म उत्थान समिति का हरियाणा प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया है। जिसे लेकर ग्रामीणों ने खुशी जताई है। समाज में शांति व सौहार्द कायम रखने व सामाजिक व धार्मिक मूल्यों का संरक्षण करने में उनकी भूमिका रहेगी। समिति के प्रदेश लीगल एडवाइजर एडवोकेट जितेंद्र शर्मा, डा. राजेश त्रिपाठी, मुकेश शर्मा, सुनील कुमार, सतबीर जांगडा ने उनकी नियुक्ति पर समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष आत्मानंद सरस्वती, संस्थापक अनिल पाण्डेय, संरक्षक राजेशनाथ, राष्ट्रीय सलाहकार हेमंत कुमार शर्मा, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पाण्डेय, महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी, प्रवक्ता मोनिका मलिक का आभार जताया है। समिति के राष्ट्रीय सलाहकार हेमंत कुमार शर्मा ने बताया कि उनके साथ ही जितेंद्रपाल धनखड को दिल्ली का प्रदेश प्रभारी तथा बडकोदा निवासी श्रवण कुमार को महेंद्रगढ़ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

श्रीकृष्णा स्कूल का छात्र योग स्पर्धा में रहा प्रथम

महेंद्रगढ़। गांव सीहमा स्थित श्रीकृष्णा स्कूल के छात्र ने नारनौल में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर अपने विद्यालय व माता-पिता का नाम रोशन किया है। कॉर्डिनेटर सुशीला यादव व योग प्रशिक्षक आरती ने बताया कि स्कूल के छात्र प्रियांशु ने जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। स्कूल के चैयरमेन डा. बीरसिंह यादव ने कहा कि योग को भारत देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में योग किया जा रहा है। योग को भारत देश शुरूआत से ही जानता है तथा गुरुकुल परंपरा में योग को एक विशेष स्थान दिया गया था, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन की हर चुनौती से लड़ने के लिए तैयार किया जाता था। उन्होंने कहा कि योग से न केवल शरीर रहता है, बल्कि मन भी स्वस्थ रहता है।

मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम रखने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

प्रदर्शन में भाग लेने के लिए कोरियावास के साथ-साथ करीब 50 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं गणमान्य लोग भी पहुंचे

- 50 ग्राम पंचायतों ने राव तुलाराम के नाम पर सहमति जताई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कोरियावास मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम के नाम से करने के समर्थन में सोमवार को सैकड़ों महिला-पुरुष गांवों से चलकर जिला मुख्यालय पहुंचे तथा लघु सचिवालय में प्रदर्शन करने उपरांत गांवों की पंचायतों की तरफ से लिखे गए ज्ञापन प्रशासन को सौंपे। करीब 50 ग्राम पंचायतों ने राव तुलाराम के नाम पर सहमति जताते हुए यही नाम रखने की मांग की है।

नामकरण की मांग को लेकर कोरियावास के ग्रामीण एवं विभिन्न गांवों से आए हुए सरपंच एवं अन्य गणमान्य लोग सबसे पहले कोरियावास मेडिकल कॉलेज पर एकत्रित हुए तथा वहां प्रदर्शन करने उपरांत निजी वाहनों से नारनौल के महावीर चौक पहुंचे। जहां से पैदल मार्च करते हुए ग्रामीण राव तुलाराम अमर रहे के नारे लगाते हुए लघु सचिवालय पहुंचे तथा गांव के सरपंच प्रतिनिधि नौनिहाल सिंह यादव ने अपनी बात रखी। इस दौरान एसडीएम ग्रामीणों से ज्ञापन लेने के लिए आए, लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें ज्ञापन देने से मना कर दिया, जिसके उपरांत डीसी डा. विवेक भारती आए और ग्रामीणों से उनका मांगपत्र प्राप्त किया। डीसी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वे उनका ज्ञापन सरकार के पास भिजवा देंगे। वरिष्ठ नेता राव होशियार सिंह गोद ने भी कहा कि सरकार को इलाके की जनभावना के अनुरूप मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम के नाम से रखना चाहिए तथा इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। जनभावना राव तुलाराम के नाम पर है और सरकार को इसे सम्मान देना चाहिए।

नारनौल। लघु सचिवालय में प्रदर्शन करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

हो सम्मान

इस मौके पर कोरियावास ग्राम पंचायत सरपंच मोनिका यादव के ससुर एवं सरपंच प्रतिनिधि नौनिहाल सिंह यादव ने बताया कि हमारी मांग है कि मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम के नाम से रखा जाए। हमारी ग्राम पंचायत ने सरकार ने मुफ्त में करीब 80 कड़ जमीन दानस्वरूप प्रदान की है। इसलिए नामकरण का सबसे पहला हक कोरियावास के ग्रामीणों का बनता है तथा प्रशासन एवं सरकार को ग्रामीणों की जनभावना का सम्मान करना चाहिए न कि इसे मुद्दा बनाना चाहिए।

इन पंचायतों ने सौंपे ज्ञापन

इस मौके पर भुंगारका के सरपंच विकास यादव, बलाहा कलां की सरपंच सुशीला देवी, सैद अलीपुर की सरपंच सुगना, दोस्तपुर की सरपंच ममता देवी, बसीरपुर की सरपंच ममता, खातौली अहीर की सरपंच मनोज देवी, खातौली जाट के सरपंच विकास कुमार, बलाहा खुर्द की सरपंच आशा, कुलताजपुर के सरपंच विक्रम यादव, दौखेरा की सरपंच सुशीला, शहबाजपुर के सरपंच विक्रम सिंह, घाटासेर की सरपंच उर्मिला, आसरावास के सरपंच कर्मपाल रावत, बनिहाड़ी की सरपंच मोनिका डूमोलिया, मेघोत बिंजा के सरपंच मनोज कुमार, मेघोत हालां की सरपंच पवित्रा, नेहरू नगर के सरपंच सुनील कुमार, मोहनपुर की सरपंच बीना कुमारी, गोद की सरपंच रेनू कुमारी, नायन के सरपंच सतीश, रघुनाथपुरा की सरपंच पिंकी कुमारी, गहली की सरपंच मनजीत कुमारी, नियामतपुर के सरपंच नीतू सिंह कांवर, मांखरी की सरपंच मुनेश कुमारी, इस्लामपुरा के सरपंच रामबिलास, जोरासी के सरपंच हरीराम, कारोली की सरपंच मधु, धौलेड़ा के सरपंच देवेंद्र कुमार, छापड़ा बीबीपुर की सरपंच मंजू, बदोपुर के सरपंच महेश कुमार, सिलारपुर की सरपंच सोना कुमारी, बीगोपुर की सरपंच पूजा कुमारी, बेरूंडला के सरपंच धीरज, मोरूंड की सरपंच निशा, जादूपुर की सरपंच सुषमा, हमींदपुर के सरपंच कैलाश चंद, पांचनौता की सरपंच ममता, नियाजलीपुर की सरपंच मंजू कुमारी, दनचौली की सरपंच बबीता छिल्लर, दोंगली के सरपंच रामफल, मौसमपुर के सरपंच बालकिशन व कारोता के सरपंच लालचंद की तरफ से तैयार किए गए ज्ञापन भी सौंपे गए।

बेगपुर में हुई सभा में चमार समाज में मेघवाल शब्द पर बनी सहमति

राजस्थान की तरह चमार समाज के लोग मेघवाल शब्द का प्रयोग करें: एसडीओ

- पड़ोसी राज्य में चमार समाज से ताल्लुक रखने वाले सभी लोगों ने अपनी जाति को मेघवाल नाम से प्रमाण पत्र बनवा लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मेघवाल उत्थान समिति की साप्ताहिक सभा अटेली खंड के गांव बेगपुर में हुई। सभा की अध्यक्षता बेगपुर जगदीश मेघवाल ने की, जबकि अशोक मेघवाल ने मंच का संचालन किया। सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि चमार शब्द के स्थान पर मेघवाल शब्द का प्रयोग करें। इस मौके पर समाज में मेघवाल समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का संकल्प भी लिया गया। सभा में यादव समाज के व्यक्तियों ने भी हिस्सा लिया। समिति के संरक्षक रिटायर्ड एसडीओ वेदप्रकाश नांगल तेजू व अध्यक्ष सूरजभान मेघवाल ने समाज में जागृति लाने के लिए मेघवाल उत्थान समिति के उद्देश्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। इसके अलावा सभा में राजस्थान के अलवर से पधारे सुंदरलाल भटेडिया व सामाजिक चिंतक डा गजराज मेघवंशी ने भी अपने विचार रखे। सुंदरलाल भटेडिया ने कहा कि राजस्थान व हरियाणा के चमार एक वंश के है इसलिए यहां भी मेघवाल शब्द को प्रचलन में लाये। सभा में समिति के संरक्षक रिटायर्ड एसडीओ वेद प्रकाश ने कहा अनुसूचित जाति में चमार शब्द अपमान व घृणा के भाव से देखा जाता है। इसलिए इस शब्द के स्थान पर मेघवाल नाम को अपनाये। पड़ोसी राज्य राजस्थान में चमार समाज से ताल्लुक रखने वाले सभी लोगों ने अपनी जाति को मेघवाल नाम से प्रमाण पत्र बनवा लिये है। इस मौके पर सामाजिक चिंतक डा गजराज मेघवंशी ने बताया कि मेघवाल का अर्थ है कि मेघ के पानी को संचित कर उससे सिंचाई कर खेती करना है। इसलिए मेघवाल भारत के प्राचीन किसान है तथा जो देश के अधिकतर राज्यों में विभिन्न जातियों के उप-जातियों के नाम से जाने जाते है। मेघवाल उत्थान समिति के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर बताया कि इस अवसर पर मेघवाल उत्थान समिति के सभी पदाधिकारी एवम् सदस्य गण और मेघवाल समाज के काफी लोग,बच्चों इससे जुड़ रहे है। बीर सिंह यादव ने सभा में कहा कि चमार शब्द को समाज में घृणा की दृष्टि से देखते है, यदि चमार की जगह मेघवाल लगाएंगे तो यह शब्द प्रचलन में हो जाएगा। बेगपुर निवासी कमल सिंह ने कहा कि अंधविश्वास को त्यागना चाहिए समाज में बहुत ही कुरीतियों को दूर करना भी जरूरी है,सभी ने मेघवाल शब्द को लेकर एकजुट सहमति जताई। अनुसूचित जाति में चमार की जगह मेघवाल को अपनाने पर सभी ने सहमति जताई और कहा की आगे भविष्य में सर्व समाज में अपने आप को मेघवाल कह कर ही सम्बोधित करे।

मंडी अटेली। मेघवाल उत्थान समिति की साप्ताहिक सभा गांव बेगपुर में करते हुए।

ये मौजूद रहे

इस मौके पर मुख्य रूप से इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष बलवीर, सरपंच सावंत सिंह, हीरा सिंह, रूडाराम, परमेश्वर, सतीश, किशनलाल कमांडेंट,नरेश, उदयभान, बलबीर,जगराम, जोगेंद्र, जगमाल, होशियार, लालचंद आदि काफी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

बाल और बंधुआ मजदूरी के उन्मूलन पर बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

बाल मजदूरी और बंधुआ मजदूरी के उन्मूलन के लिए हरियाणा सरकार विभिन्न कानूनों, नीतियों और कार्यक्रमों से अब ऐसे मामले देखने को नहीं मिल रहे। अधिकारी इसी प्रकार सख्ती के साथ नियमों को लागू करवाएं। यह बात उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने सोमवार लघु सचिवालय में बाल मजदूरी तथा बंधुआ मजदूरी के संबंध में बुलाई अधिकारियों की बैठक में दिए।

डीसी ने बताया कि हरियाणा सरकार तथा केंद्र सरकार बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 और इसके संशोधन अधिनियम, 2016 का सख्ती से पालन कर रही है। इस अधिनियम के तहत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी खतरनाक व्यवसाय या प्रक्रिया में काम पर रखना प्रतिबंधित है, और 15 से 18 वर्ष के किशोरों के रोजगार को नियंत्रित किया जाता है। डीसी ने बताया कि कानून के उल्लंघन पर दंड का प्रावधान है, जिसमें कारावास और जुर्माना शामिल है। उन्होंने बताया कि ढाबे, चाय की दुकान, कालीन और चूड़ी बनाने वाली इकाइयों जैसे असंगठित क्षेत्रों में बच्चों द्वारा काम करते हुए पाए जाने पर नियोक्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारी बंधुआ मजदूरी के मामलों में त्वरित कार्रवाई करें। इस बैठक में नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी सुरेश कुमार, लेबर विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर पवन शर्मा तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डॉ विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

तीन माह तक चलाया जाएगा विशेष स्वच्छता अभियान

नारनौल। अगले तीन माह तक जिला में चलाए जाने वाले विशेष स्वच्छता अभियान ग्राम पंचायतों में सोमवार से शुरू हो गया है। यह जानकारी देते हुए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के लिए शेड्यूल जारी कर स्वच्छता अभियान शुरू करवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि अगले तीन माह तक शेड्यूल अनुसार रोजाना प्रत्येक खण्ड के एक-एक गांव में यह विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान मुख्य रूप से ग्राम सचिव व खण्ड समन्वयक की देखरेख में चलेगा जिसमें समय-समय पर गणमान्य सदस्य एवं जिला व खण्ड स्तर के अधिकारी व कर्मचारी भी भाग लेंगें। इस अभियान से ग्राम पंचायतों की सफाई व्यवस्था में सुधार आएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भी स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों को मोटिवेट कर गांव की साफ-सफाई करवाई जा सके।गांवों में गन्दगी से होने वाली बीमारियों से छुटकारा मिल सकें तथा गांव साफ-सुथरे रहें।

मानसिक-शारीरिक संतुलन के लिए करें योग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से सोमवार नसीबपुर स्थित जेठू बाबा मंदिर प्रांगण में पूर्वाभ्यास योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य विभागीय कर्मचारियों और अधिकारियों को योग के महत्व से अवगत कराना और उन्हें नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में अधीक्षक अभियंता एसपी जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयुष विभाग से प्रशिक्षक के रूप में सुन्दर सिंह, नरेन्द्र कुमार, बबिता, ममता और संजय सिवाच ने सहभागियों को विभिन्न प्रकार के योगासन प्राणायाम एवं ध्यान विधियों का अभ्यास करवाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से नियमित योगाभ्यास करने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। मुख्य अतिथि ने कहा कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में मानसिक और शारीरिक संतुलन बनाए रखने के लिए योग जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें प्रतिदिन योग को अपने जीवन में शामिल करना चाहिएए क्योंकि यह न केवल शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है बल्कि यह तनाव को भी दूर करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। कार्यकारी अभियंता जितेन्द्र हुड्डा ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा है जिसे आज पूरे विश्व ने अपनाया है। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि यह मानसिक स्पष्टता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योग अभ्यास के लिए अवश्य निकालें। इस मौके पर जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा, जूनियर इंजीनियर आकाश, सर्कल हैड ड्राफ्ट्समैन महेन्द्र सिंह, पिंकी यादव, राजकुमार, विक्रम सिंह, इन्द्रजीत, अशोक कुमार, पूजा रानी, मोहित कुमार, धर्मेन्द्र सहित विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

नारनौल। योग करते अधिकारी व कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

जागरण में बाबा की महिमा का गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

गांव कोथल खुर्द में श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा गौराला कुआं पर श्री श्याम का द्वितीय विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण का बाबा का आशीर्वाद लिया। श्याम मित्र मंडल के सदस्य मंजीत यादव ने बताया कि जागरण में बाबा का आलौकिक श्रृंगार कर भव्य दरबार सजाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश स्तुति द्वारा की गई। वहीं पं. ओम प्रकाश द्वारा बाबा के समक्ष ज्योत जलाकर मंत्रोच्चरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सत्यम कानौड़िया ने प्यारा सा मुखड़ा, घुंघराले बाल, अतुल लामडिवाल ने हमें श्याम रिझाना है, आनंद सोनी ने मेरी हार नहीं होगी, मुकेश बंसल ने तेरी रहमतों का दरिया सरेआम चल रहा है, सचिन कुमार ने आयो सांवलियों सरकार, आजा रे कान्हा आजा रे व अन्य कलारों द्वारा सारा जग मेरे श्याम का दिवाना, श्याम कब आओगे, श्याम थारों नाम लागै भक्ता ने प्यारों हे, खाटू वाले तू हमेशा मेरे साथ रहे, मुझे रास्ता दिखा दे श्याम, भरदे रे श्याम झोली भरदे, क्यों घबराऊ में मेरा तो श्री श्याम से नाता है आदि भजनों पर धमाल मचाया। वहीं सोनू म्युजिकल ग्रुप द्वारा म्युजिकल अपनी कलां का जादू बिखेरा। मोहित महादेव आर्टस ग्रुप गोहाना द्वारा श्रीकृष्ण-सुदामा की झांकी ने शानदार प्रस्तुति दी तथा जागरण में हनुमान व श्रीकृष्णा की लीलाओं का मंचन भी किया।

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्ण-सुदामा की लीला का मंचन करते कलाकार।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं।

सीईटी आवेदन पोर्टल को 12 जून की रात क्लोज करने का शेड्यूल निर्धारित

कॉमन सर्विस सेंटरों पर 850 युवाओं की रात 3 बजे तक लगी कतार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

एचएसएससी के निर्देशानुसार 12 जून को सीईटी आवेदन पोर्टल बंद हो जाएगा। लेकिन अभी तक विभाग ने आवेदन पोर्टलों की रिपेयर नहीं की, जिस कारण जाति प्रमाण पत्र आवेदन का पोर्टल 28 मई से बंद पड़ा हुआ है। इसके बाद डोमिसाइल की फाइलें खत्म हो गई थी, अब सीईटी पोर्टल फार्म को अपलोड करने में मिस्टेक कर रहा है। परेशान युवा रात को करीब तीन बजे तक विभिन्न सीएससी पर कतारबद्ध खड़े रहे। समाधान नहीं होने पर मायूस होकर घर लौटे थे, सुबह 10 बजे ही दोबारा कॉमन सर्विस सेंटरों पर इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं।

राजपाल, बिक्रम सिंह, आशीष, मोना, कविता, मैना, लक्ष्मी, अशोक कुमार, राजेंद्र, हरीश कुमार ने बताया कि सरकार ने तीन साल लंबा इंतजार करने के बाद सीईटी के आवेदन मांगे हैं। 28 मई से 12 जून तक आवेदन स्वीकार करने का शेड्यूल बनाया गया है। इसके लिए आवेदकों को एक अप्रेल के बाद बनाए गए दस्तावेज अपलोड करने होंगे, अन्यथा आवेदन को निरस्त करने की हिदायत है। विभागीय निर्देशों पर युवाओं ने जाति प्रमाण पत्र तथा डोमिसाइल की फाइल तैयार करनी आरंभ कर दी। लेकिन रेडक्रॉस के कार्यालय में पांच दिन तक डोमिसाइल की फाइलें उपलब्ध नहीं हुई। दूसरी तरफ जाति प्रमाण पत्र रिलीज करने वाला पोर्टल 28 मई से ही बंद पड़ा है। जिस कारण पिछड़े वर्ग के आवेदकों को पोर्टल पर आवेदन करना संभव नहीं हो रहा है। जैसे-जैसे अंतिम तारीख नजदीक आ रही है युवाओं की धड़कने तेज होनी आरंभ हो गई। रविवार को भी सीएससी पर आवेदकों की भारी भीड़ देखी गई है। सोशल मिडिया में रविवार शाम छह बजे जाति पोर्टल चलने की सूचना वायरल हुई, जिसकी भनक लगते ही युवाओं में भागदौड़ मच गई। सैकड़ों युवा शहर की सीएससी के सामने एकत्रित हो गए तथा दुकानदार को बुलाया गया। लेकिन चेक करने पर पोर्टल खराब होने की पुष्टि हुई, बावजूद युवाओं ने रात को तीन बजे तक पोर्टल चालू होने का इंतजार किया। इसके बाद मायूस होकर होकर घर लौट गए, किंतु सुबह 10 बजे दुबारा शहर पहुंच गए। कभी तहसील कार्यालय में तो कभी सीएससी संचालकों के पास गुहार लगाते रहे। उन्होंने बताया कि सीईटी आवेदन नहीं होने पर उनका भविष्य चौपट हो जाएगा। क्योंकि अगली परीक्षा कब होगी यह निर्धारित नहीं है। उन्होंने जिला प्रशासन व सरकार ने सीईटी आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाने की गुहार लगाई है। ताकि सभी युवाओं को आवेदन करने और पेपर देने का अवसर मिल सके।

नांगल चौधरी। सीएससी पर रात 11 बजे पोर्टल चलने का इंतजार करते हुए सीईटी के आवेदक। फोटो : हरिभूमि

खराब सरल पोर्टल ने बढ़ाई परेशानी

सीईटी उतीर्ण करने वाले युवाओं को ग्रुप सी कैडर की भर्तियों के लिए आवेदन करने की स्वीकृति रहेगी। इसके लिए 35-40 फीसदी महिलाएं आवेदन के लिए भागदौड़ कर रही है, सुबह 10:30 तक घरेलू कामकाज करने के बाद शहर आती हैं, यहां खराब पोर्टल के कारण ऑनलाइन आवेदन नहीं हो पाता। इसके बाद अगले दिन दुबारा दिनभर शहर में इधर-उधर भटकना पड़ता है। अधिकांश ग्रामीण रूटों पर परिवहन की सुविधा नहीं, ऐसे में आवेदकों को जानलेवा खतरा बना रहता है।

तिथि बढ़ाने की मांग

आवेदन से वंचित राहुल कुमार, पवन कुमार, विनोद कुमार, प्रियंका ने बताया कि सरल पोर्टल नहीं चलने की शिकायत तहसीलदार को अवगत कराई थी, लेकिन उन्होंने भी कोई सकारात्मक जबाब नहीं दिया। कहा कि पोर्टल की रिपेयर उच्च स्तर से होनी है, जिसके लिए उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया है। मायूस आवेदक अब अंतिम तिथि बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं।

रुद्राक्ष वितरण के साथ कथा संपन्न

महेंद्रगढ़। स्थानीय मोहल्ला जवाहरनगर स्थित बचपन प्ले स्कूल में भागवत धर्म सेवा परिवार के तत्वावधान में चल रहे सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण, महारुद्राभिषेक एवं श्रीमद्भागवत महापुराण कथा महोत्सव का सोमवार को वृंदावन धाम से पधारे आचार्य गौरव दीक्षित महाराज के सान्निध्य में हवन पूजन एवं रुद्राक्ष वितरण से समापन किया गया। इससे पूर्व गत दिवस रविवार को कथा के सातवें दिन श्रीकृष्ण सुदामा की मित्रता की कथा सुनाई गई तथा प्रवक्ता अमरसिंह सोनी के निर्देशन में श्रीकृष्ण-सुदामा और रुक्मिणी की मनमोहक झांकी भी पेश की गई।

NOTICE

I Ashish Bansal S/o Pawan Kumar R/o Mohalla - Purani Sarai, Narnaul, District Mohindergarh (Haryana) declare that I have change my name Ashish to Ashish Bansal for all future purpose.

सूचना

मैं बिमला माता आर्मी नम्बर 3208632 एम नायक हितेंद्र निवासी हरि नगर गुरुग्राम (हरियाणा) भविष्य में मैंने अपना नाम बदलकर बिमला देवी से बिमला कर लिया है एफिडेविट दिनांक 09/06/2025

खबर संक्षेप

नीरपुर राजपूत में एनटीईपी कैंप आयोजित

मंडी अटेली। स्वास्थ्य विभाग की ओर से गांव नीरपुर राजपूत में एनटीईपी कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें क्षय रोगियों से सम्भावित लोगों के सैम्पल लिए गए तथा बीपी, शुगर व गर्भवती महिलाओं की जांच की गई।

छबील लगाकर यात्रियों को पिलाया शरबत

कनीना। कनीना-नारनौल सडक मार्ग स्थित गांव नांगल मोहनपुर में सोमवार को श्रीश्याम सेवा दल के सहयोग से छबील लगाकर यात्रियों को ठंडा-मीठा शरबत पिलाया। परमानंद ने बताया कि विपिन कुमार की स्मृति में प्रतिवर्ष नौ जून को छबील का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर बीरसिंह, मनोज, सोमबीर, रामपाल, समीर, साहिल, रविन्द्र, सरजीत उपस्थित थे।

बेगपुर में बाबा भैया मंदिर भंडारा आज

मंडी अटेली। अटेली बेगपुर में बाबा भैया मंदिर प्रांगण में 10 जुन को विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि यह है दोनों गांवों के आस्था का एकमात्र स्थान है जहां दोनों गांवों कि ग्रामीण अपनी आस्था को रखते हुए हर वर्ष भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार व मास्टर अरुण कुमार राजपुरा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

आर्य समाज कनीना का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव 21 से

कनीना। आर्य समाज कनीना का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव आगामी 21 व 22 जून को आयोजित किया जाएगा। कृष्णप्रकाश यादव ने बताया कि राजकीय कन्या उच्च विद्यालय कनीना के प्रांगण में आयोजित होने वाले इस समारोह में प्रसिद्ध कवि मोहन मनीषी के अलावा सोमदेव आर्य, भजनोपदेशिका अंजली आर्या शिरकत करेगें। उन्होंने बताया कि समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

माता–पिता की पुण्य स्मृति पर करें नेक कार्य

महेंद्रगढ़। गांव पाल में महिपाल सिंह, बीर सिंह व वीरेन्द्र सिंह ने अपनी माता स्व. रेवती देवी एवं पिता स्व. फूलचन्द मास्टर की पुण्य स्मृति में गांव के सरकारी स्कूल में एक कमरा का निर्माण करवाया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव मौजूद रहे। विधायक ने कमरे का उद्घाटन करते हुए कहा कि माता-पिता की पुण्य स्मृति में कमरा निर्माण अकसर एक भावुक और व्यक्तिगत कार्य होता है। यह कार्य माता-पिता की यादों को जीवित रखने व श्रद्धा व्यक्त करने का एक तरीका है।

अधिकांश गांवों को 3-4 दिन के अंतराल पर हो रही पेयजल की सप्लाई

70 लीटर प्रति व्यक्ति की औसत से पेयजल सप्लाई का 5 साल से इंतजार, पहाड़ों की तलहटी पर बसे गांवों में गहराया जल संकट

- वाटर टैंकर और कृषि बोरवेलों से पानी खरीदकर प्यास बुझाते हैं 50 फीसदी ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

ग्रामीणों को 70 लीटर प्रति व्यक्ति की औसत से पेयजल सप्लाई देने की योजना बनाई गई थी। योजना के मुताबिक गांवों में पाइप लाइन व कनेक्सनों पर करोड़ों का बजट खर्च कर दिया। बावजूद अभी तक पर्याप्त पानी उपलब्ध होना संभव नहीं हो पाया है। अधिकांश गांवों को तीन-चार दिन के अंतराल पर पानी मिलता है, जिसकी मात्रा इतनी कम होती है कि सार्वजनिक टंकियां भी नहीं भर पाती। तापमान 42 डिग्री के पार जाने पर गांवों में पेयजल डिमांड करीब दोगुणा बढ़ गई जिसकी आपूर्ति के लिए वाटर टैंकर व कृषि बोरवेलों से खरीदना पड़ रहा है। आपको बता दें कि गांव व शहरों में पेयजल सप्लाई की जिम्मेवारी जन स्वास्थ्य विभाग को सौंपी गई है। आपूर्ति के लिए विभाग ने नांगल चौधरी ब्लॉक के विभिन्न गांवों में 350 से अधिक बोरवेल लगवाए थे। भूजल स्रोत सूखने के कारण लगभग 200 बोरवेल बंद हो चुके, जो बोरवेल चालू हैं उनसे ग्रामीणों की पेयजल आपूर्ति नहीं हो पाती। संकट बढ़ने पर विभाग ने गांवों में सार्वजनिक टंकियों के निर्माण की योजना बनाई थी। तर्क दिया गया कि सार्वजनिक टंकियों का निर्माण होने से पानी की बर्बादी पर अंकुश लगेगा।

ब्लॉक के लगभग सभी गांवों में 480 टंकियों के निर्माण पर विभाग ने करीब 3 करोड़ खर्च किए थे। लेकिन बोरवेलों का जलस्रोत सूखने के कारण 50 फीसदी टंकियों में कभी पानी पहुंचा ही नहीं। इसके बाद सरकार ने 70 लीटर प्रति व्यक्ति की औसत से ग्रामीणों को पेयजल सप्लाई करने का प्रपोजल तैयार दिया। हर रसोई नल योजना क्रियांवित करके गांवों में पाइप दबाने तथा नल लगाने के टैंडर छोड़े गए। गांव वाइज करोड़ों की लागत से पाइप बिछाकर घरों में नलकूप लगाए गए हैं।

लेकिन योजना को लगभग पांच साल बीतने के बावजूद 50 रसोई तक नलों का जल नहीं पहुंच पाया है। 50 फीसदी नलकूपों को तीन-चार दिन के अंतराल पर एक घंटे पानी मिलता है जिससे एक दिन की जरूरत का पानी स्टॉक हो पाता है।

अब 49 डिग्री तापमान में पानी की दोगुना डिमांड बढ़ गई है। आपूर्ति नहीं होने पर लोगों को वाटर टैंकर या निजी बोरवेलों से पानी खरीदकर प्यास बुझानी पड़ रही है।

कृष्णावती का बहाव 30 साल से बंद

दौस्तपुर, शहबाजपुर, दताल, नांगल कालिया, नोलाजा के ग्रामीणों ने बताया कि बीते 30 साल से पर्याप्त बारिश नहीं हो रही है। जिस कारण कृष्णावती नदी का बहाव बंद होने से भूजलस्रोत तेजी से सूख रहे हैं। गांवों में पेयजल संकट उत्पन्न होने पर सरकार ने ब्लॉक को डार्कजोन घोषित कर दिया। जहां फसलों की सिंचाई तथा पेयजल व्यवस्था नहरी पानी पर निर्भर है। लेकिन 60 फीसदी गांव नहरों से अटेच नहीं नही, ऐसे में ग्रामीणों की खेती और पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है।

पहाड़ों की तलहटी पर बसे गांवों के हालात ज्यादा खराब

जानकारी के अनुसार पहाड़ों की तलहटी पर बसे नांगल दुर्गू, दौंखेरा, भेडंटी, गोलवा, मूसनोता, पाचनोता, बायल समेत 20 गांवों में गंभीर पेयजल संकट बना हुआ है। क्योंकि कैनाल बेस्ड नहरी पानी की सप्लाई डिमांड से 50 फीसदी तक कम मिलती है। जिस कारण ग्रामीणों को राशनिंग प्रणाली से पेयजल मुहैया कराया जाता है। जबकी पहाड़ों पर तपन अधिक होने के कारण करीब तीन गुणा डिमांड बढ़ गई। जिस कारण ग्रामीणों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री और जनस्वास्थ्य मंत्री को लिखूंगी पत्र

कहा कि नांगल चौधरी के गांवों में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। क्योंकि अधिकांश गांव नहरों से अटेच नहीं और कैनाल बेस्ड नहीं पानी भी रेगूलर नहीं मिलता। सदन में जनस्वास्थ्य मंत्री श्रुति चौधरी को वाटर टैंकरों के निर्माण में धांधली और पेयजल संकट की समस्या से अवगत कराया गया था लेकिन तापमान 43 डिग्री पहुंचने के बावजूद विभाग ने कोई सकारात्मक प्रयास नहीं किए हैं, जिसके लिए सीएम और जन स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखूंगी।

-विधायक मंजू चौधरी

15 एजेंड़ों को किया शामिल, 37 मुद्दों पर बनी सहमति

नपा की आम बैठक शांतिपूर्वक संपन्न सर्वसम्मति से अन्य मुद्दों पर बनी सहमति

बैठक में 15 एजेंडों को शामिल किया गया था। सर्वसम्मति से अन्य प्रस्तावों को भी पारित किया गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बैठक में भाग लेते पार्षद एवं अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

स्थानीय नगरपालिका कार्यालय में नपा की साधारण बैठक शांतिपूर्वक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से 37 मुद्दों पर सहमति बनी। बैठक में 15 एजेंडों को शामिल किया गया था। सर्वसम्मति अन्य प्रस्तावों को भी पारित किया गया।

नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी व नपा सचिव अनिल कुमार ने बताया कि डुलाना रोड पर हनुमान मंदिर को स्थानातंत्रित करने तथा लाल डोरे में स्थित संपति धारकों को प्रॉपर्टी प्रमाण देने पर भी सर्व सम्मति से पास किया गया। नगर पालिका को छह प्रिंटिंग मशीन, कुर्सियां सहित स्टेशनरी सामग्री के बिलों के भुगतान के प्रस्ताव पास किए गए। दो हजार स्ट्रीट लाइटें, शहर के विभिन्न वार्ड की गलियों के निर्माण पर प्रस्ताव रखा गया। इसके अलावा शहर में हो रहे अतिक्रमण, शॉपिंग कॉप्लेक्स में बरामदे खाली, सराफा बाजार से सांई मंदिर व जवाहर नगर तक तथा भगवान परशुराम चौक से बालाजी चौक तक सड़क के दोनों तरफ दुकानों के बाहर चबूतरे तोड़ने का भी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया गया। इस अवसर पर नपा उपप्रधान मंजू कौशिका, जेई नवदीप सिंह, लेखाकार सुनील कुमार वार्ड एक पार्षद सरिता राठी, दो से रजनेश कुमारी, तीन से अशोक सैनी, चार से ममता देवी, सात से भतेरी देवी, नौ से देवेंद्र सैनी, दस से सीमा रानी, वार्ड 12 से विष्णु वाल्मीकि, 13 से सुरेंद्र कुमार, 14 से सुखबीर यादव, 15 ये सुनील तायल मौजूद रहे।

3 पार्षद ने किया बैठक का बहिष्कार

बैठक की शुरूआत में वार्ड नंबर 15 पार्षद सुनील तायल ने हाजिरी रजिस्टर में हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा पहले उनके पेंडिंग कार्य को लेकर डीएमसी को पत्र भेजा हुआ है, उसका क्या हुआ। नपा सचिव अनिल कुमार ने कहा जो भी समस्या है, वह रजिस्टर में लिख देना। इसके बाद पार्षद नंबर 15 से सुनील व वार्ड नंबर सात से भतेरी देवी बैठक छोड़कर चले गए। बैठक को सुचारू रूप से चलाने के लिए उपप्रधान मंजू कौशिक ने उन्हें वापिस बुला लिया गया। उसके बाद बैठक शुरू हुई। बैठक में वार्ड नंबर छह पार्षद राजेश सैनी, वार्ड नंबर आठ से निखिल चनेजा, वार्ड नंबर 11 से शारदा देवी नहीं पहुंचे।

बिजली निगम का सब स्टेशन का प्रस्ताव पास

शहर में अघोषित कटों से छुटकारा दिलवाने को लेकर नपा हाउस की ओर से मोदाश्रम के पास बिजली निगम को जगह देने पर विचार विमर्श किया गया। शहर में अलग से स्टेशन बन जाता है तो शहर में बिजली कटों से निजात मिल जाएगी। नगर पालिका हाउस ने मोदाश्रम के पास बिजली निगम को सब स्टेशन के निर्माण को लेकर दो से तीन एकड़ जमीन देने को लेकर नपा हाउस ने सर्वसम्मति से पास किया गया। वार्ड पार्षदों ने बताया कि इस प्रस्ताव को पहले भी पास कर चुके है। प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि इस प्रस्ताव को डीएमसी के पास भेजा गया था। वह रद्द कर दिया गया। अब इसको दोबारा से सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास किया गया है।

बेसहारा गोवंशों को मिलेगा सहारा

नपा हाउस की ओर से शहर की धोलपौश गोशाला, श्री गोपाल गोशाला बुचियावाली व स्वर्गआश्रम के पीछे देवास रोड पर गोशाला को जमीन को पट्टे पर देने को लेकर विचार विमर्श किया गया। इन गोशालाओं का दायरा भी बढ़ाया जाएगा। प्रस्ताव में गोशाला प्रबंधकों पर यह नियम भी लगाया गया कि वह में घूम रही बेसहारा गोवंशों को गोशाला में छोड़ा जाए व उनकी देखभाल कि जाए। इससे शहर में घूम रही करीब दो हजार से अधिक बेसहारा गोवंशों को उनको सहारा मिल जाएगा। नपा हाउस ने सर्व सम्मति से पास किया गया।

खबर संक्षेप

ढाणियों से होकर निकलें रोडवेज बस, रखी मांग

नारनौल। जिला के गांव इसराणा की ढ़ाणी और कपूरी गांव की ढ़ाणी गौसाईं की महिलाओं ने अपनी ढ़ाणियों से होकर हरियाणा रोडवेज की बसें चलाने की मांग की है। ढ़ाणी की महिलाओं ने अटेली न्याय यात्रा के दौरान यात्रा के नेता अतरलाल के सामने अपनी समस्याएं बताते हुए उक्त मांग की। महिलाओं ने अतरलाल को कहा कि हरियाणा अलग राज्य बनने के 59 साल बाद भी उनकी ढ़ाणियां हरियाणा रोडवेज बसों की सुविधाओं से वंचित हैं। हरियाणा रोडवेज की एक भी बस उनकी ढ़ाणियों से होकर नहीं गुजरती। हरियाणा परिवहन विभाग की इस अनदेखी के कारण ढ़ाणियों से आवागमन करने वाले ढ़ाणी वासियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, पढ़ने जाने वाली छात्राओं तथा छात्रों को होती है। उन्होंने नारनौल रोडवेज डिपो के महाप्रबन्धक तथा हरियाणा के परिवहन मंत्री से तत्काल उनकी ढ़ाणियों से होकर सुबह-शाम हरियाणा रोडवेज की बसें चलाने की मांग की। महिलाओं ने कहा कि विभाग की लापरवाही व अनदेखी के कारण महिलाओं में रोश बढ़ता जा रहा है।

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक के 4 विद्यार्थियों का एलएंडटी में चयन

नारनौल। राजकीय बाबा खेतानाथ पॉलिटेक्निक ने एकबार फिर सफलता की नई मिसाल पेश की है। संस्थान के चार होनहार विद्यार्थियों का चयन देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग व कंस्ट्रक्शन कंपनी एलएंडटी (लार्सन एंड ट्यूबरो) में हुआ है। यह चयन उनके तकनीकी कौशल और परिश्रम का परिणाम है, जिससे न केवल संस्थान एवं जिले का भी नाम रोशन हुआ है। यह जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य अनिल यादव ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों में इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल (आई एंड सी) ब्रांच से अन्नू, मैकेनिकल इंजीनियरिंग से देवेंद्र और आशीष, तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से योगेंद्र शामिल हैं। एलएंडटी जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में चयन पाना इन विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और यह भविष्य में उनके उज्जवल करियर की नींव रखेगा। उन्होंने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा देगी।

हसला ने मांगों को लेकर डीईओ को सौंपा ज्ञापन

नारनौल। हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन महेंद्रगढ़ के जिला प्रधान अरविंद यादव माजरा के नेतृत्व में सभी ब्लॉक प्रधान चरणसिंह बडेसरा, रामनिवास लम्भोरा, हंसराज यादव ने विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान के ऑफिस में मुलाकात कर प्रवक्ताओं की समस्याओं के बारे मे अवगत करवाया, जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार चौहान ने हसला टीम को आश्वासन देते हुए बताया कि जिला स्तर पर प्रवक्ताओं की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस सकारात्मक सोच व प्रयास पर हम सभी प्रवक्ता साथी उनके आभारी रहेंगे। इस अवसर पर डिप्टी डीईओ सुनील दत्त, कोऑर्डिनेटर विक्रम सिंह, अनिल कुमार, रतनलाल, अशोक कुमार, संदीप चौधरी, पवन कुमार, प्रिंसिपल मंगत राम, करण सिंह यादव व सुदेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

11 हट्टा बाजार के पोल शिफ्ट कराने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। शहर के 11 हट्टा बाजार के सड़क निर्माण से पहले बिजली के पोल शिफ्ट कराने की मांग को लेकर शहर के लोगों की ओर से एसडीएम अनिल कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने बताया कि शहर के 11 हट्टा बाजार की 30 वर्षों से हालात खस्ता थी। महेंद्रगढ़ से जिला मुख्यालय जाने का यह पुराना रास्ता है तथा करीब 50 गांवों के ग्रामीणों इस मार्ग से महेंद्रगढ़ शहर आते हैं, लेकिन टूटी सड़क के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही थी। वर्तमान में नगर पालिका की ओर से करीब 2.75 करोड़ रुपये की लागत से इस मार्ग का निर्माण किया जा रहा है तथा नपा की ओर से इस मार्ग से पक्का अतिक्रमण भी हटाया जा रहा है, लेकिन अभी सड़क के बीचोंबीच खड़े के बिजली पोल के हादसों को निमंत्रण दे रहे है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की टीम ने काटे 10 अवैध कनेक्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। पेयजल से खेती की सिंचाई करने वाले कनैक्शनों को काटती विभाग की टीम।

जन जागरूकता अभियान के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की 4 टीमों ने सोमवार कुल 129 नलों का निरीक्षण करते हुए कुल 10 अवैध कनैक्शन काटे, जो पेयजल से खेती की सिंचाई करते पाए गए। जानकारी देते हुए जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि नारनौल शहर के सेकपुरा क्षेत्र में अवैध कनैक्शन चलाए जाने की सूचना मिली, जिस पर विभाग ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जेई संजय व बीआरसी इंद्रजीत की अगुवाई में टीम को उस क्षेत्र में निरीक्षण के लिए भेजा। जहां पर 10 ऐसे कनैक्शन मिले, जो खुले में पेयजल को बहा रहे थे व पेयजल से खेती की सिंचाई भी कर रहे थे, जिन्हें विभाग की टीम द्वारा बंद कर दिया गया।

डोमिसाइल व अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों को लेकर युवाओं को न हो कोई असुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार ने अपने नागरिकों को त्वरित और परेशानी मुक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए सभी योजनाओं तथा सेवाओं को ऑनलाइन किया है। ये बात उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने सोमवार लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि डोमिसाइल और अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों को लेकर युवाओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। समाधान शिविर में कुल 95 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय से स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ नागरिकों को एक निश्चित समय-सीमा के भीतर प्रदान किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रक्रियाओं में अनावश्यक देरी न हो और पारदर्शिता बनी रहे। अगर किसी मामले में देरी हो रही है तो उनसे डीओ लेटर लिखवाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया के दौरान सुनिश्चित करें।

महेंद्रगढ़। प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी के साथ कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार व शिक्षक।

कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में हकेंवि के चार विद्यार्थी चयनित

महेंद्रगढ़। गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बी वॉक रिटेल एंड लॉजिसिटक्स मैनेजमेंट विभाग के तृतीय वर्ष में अध्ययनरत चार विद्यार्थियों को ऑन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के अंतर्गत प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। विद्यार्थियों को यह प्लेसमेंट एनईसीसी ग्रुप की कंपनी एसजी ग्रीन लॉजिस्टिक्स में प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों के करियर को आकार देने में कैंपस प्लेसमेंट की अहम भूमिका होती है। विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों का चयन विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानकों एवं विद्यार्थियों की प्रतिभा को दशार्ता है। विश्वविद्यालय में स्कूल आफ लाइफ लोंग लर्निंग के अष्ठिाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के बी वॉक रिटेल एंड लॉजिसिटक मैनेजमेंट विभाग के तृतीय वर्ष में अध्ययनर छात्र नितिन, दीपक कुमार, अश्विन पी और बिट्टू आनंद को ऑन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से एसजी ग्रीन लॉजिस्टिक्स में प्लेसमेंट का अवसर मिला है। विभाग के समन्वयक और प्लेसमेंट ड्राइव के आयोजक डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि विभाग द्वारा समय-समय अनेक रोजगारपरक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। यह प्लेसमेंट चयनित विद्यार्थियों के करियर की शुरूआत के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

पहले प्रशिक्षण शिविर नौ से 13 जून तक, दूसरा 16 से 20 जून तक आयोजित होगा

जिलेभर में 6 स्थानों पर एफएलएन प्रशिक्षण आरम्भ, 1600 प्राथमिक अध्यापक लेंगे ट्रेनिंग

महेंद्रगढ़ के 1100 व अन्य जिलों के 500 प्राथमिक अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

5 खण्डों में प्रशिक्षण बैच

- अटेली -4
- कनीना - 3
- नारनौल -5
- महेंद्रगढ -5
- नांगल चौधरी -4

नारनौल। पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ करते डीईओ संतोष चौहान।

प्राथमिक अध्यापकों के लिए निपुण हरियाणा मिशन के तहत पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है पहले प्रशिक्षण शिविर नौ जून से 13 जून तक तथा दूसरा प्रशिक्षण शिविर 16 जून से 20 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का समय सुबह आठ बजे से दोपहर 2:30 बजे तक रहेगा। जिला महेंद्रगढ़ के कुल पांच खण्डों में छह स्थान पर इस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जिला महेंद्रगढ़ के 1100 व अन्य जिलों के 500 प्राथमिक अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। अन्य जिलों के प्राथमिक अध्यापक साथी जिनका गृह जिला महेंद्रगढ़ है उनको भी इस प्रशिक्षण में अपने गृह जिले में सम्मिलित होने का अवसर दिया गया है।

प्रशिक्षण शिविर

जिला समन्वयक एफएलएन डा. विक्रम सिंह ने बताया कि निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत प्राथमिक अध्यापकों को बेहतर व गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सभी खंडों में बेहतर योजना व समन्वय के साथ आज से एफएलएन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन प्रारंभ किया गया है।

प्राथमिक अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। अन्य जिलों के प्राथमिक अध्यापक साथी जिनका गृह जिला महेंद्रगढ़ है उनको भी इस प्रशिक्षण में अपने गृह जिले में सम्मिलित होने का अवसर दिया गया है।

प्राथमिक अध्यापक साथियों को विभिन्न गतिविधियों व शिक्षण अधिगम आधारित टूल्स के माध्यम से अध्यापन का नया तरीका सिखाया जाएगा।

विभिन्न प्रकार के नवाचार का प्रयोग शिक्षण में किस प्रकार किया जा सकता है इस पर विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया जाएगा। खंड अटेली में जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया और अध्यापकों को पूरी मेहनत व लगन से शिक्षक का पुनीत कार्य करने का संदेश दिया। खंड नांगल चौधरी में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य डाइट सुनील दत्त ने अध्यापकों को नई शिक्षण विधियां सीख कर बच्चों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। जिला समन्वयक डॉ विक्रम सिंह खंड नारनौल के नसीबपुर में चल रहे प्रशिक्षण शिविर का जायजा लिया और सभी प्राथमिक अध्यापकों को बच्चों की मनःस्थिति और रुचि के अनुसार शिक्षक के लिए प्रेरित किया।